मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 09 अगस्त 2017

यूपीएससी परीक्षाओं की कोचिंग सफलता से उत्साहित जेएमआई का रेलवे, इंजीनियरिंग और न्यायिक सेवाओं के लिए भी प्रशिक्षण देने पर विचार

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की आवासीय कोचिंग अकादमी :आरसीए: से प्रशिक्षित आईएएस और आईएफएस सहित संघ लोक सेवा आयोग :यूपीएससी: परीक्षाओं में सफलता पाने वाले छात्रों का मणिपुर की राज्यपाल और जेएमआई की कुलाधिपति नजमा हेपतुल्ला ने आज अभिनंदन किया। आरसीए में प्रशिक्षण पाने वालों में से इस बार यूपीएससी परीक्षाओं में रिकार्ड 29 छात्र कामयाब हुए हैं।

जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद ने कहा कि इस सफलता को देखते हुए विश्वविद्यालय की यह अकादमी अब रेलवे, इंजीनियरिंग और न्यायिक सेवाओं की परीक्षाओं के लिए भी छात्रों को प्रशिक्षित करने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

नजमा हेपतुल्ला ने जेएमआई के खचा खच भरे एम ए अंसारी सभागार में सफल छात्रों का अभिनंदन करते हुए कहा कि जेएमआई का आरसीए बहुत शानदार काम कर रहा है और इसका स्तर और अधिक बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए अमेरिका के एक विश्वविद्यालय से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है।

इस अवसर पर आरसीए में छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए अपनी सेवाएं देने वाले पूर्व राजदूत राजश्री भट्टाचार्य, महेश सचदेव और अशोक सज्जनहार सहित अन्य लोगों का भी अभिनंदन किया गया।

प्रो अहमद ने कहा कि अकादमी को अपनी इस सफलता को देखते हुए अब अगले तीन सालों में यह लक्ष्य रखना चाहिए कि उससे प्रशिक्षण पाने वाले सफल छात्रों की संख्या 29 से बढ़ कर कम से कम 50 हो जाए। आरसीए में अभी 200 उम्मीदवार यूपीएससी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षित किए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि जेएमआई आरसीए की पांच से दस प्रतिशत सीट जामिया के छात्रों के लिए आरक्षित करने पर भी विचार हो रहा है लेकिन ऐसा धर्म या लिंग के आधार पर नहीं होगा।

उन्होंने बताया कि आरसीए के लिए देश भर से होनहार छात्रों का प्रवेश परीक्षा के जरिए चयन किया जाता है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में जेएमआई के 10 केन्द्र खोले गए हैं और अब मणिपुर सहित कुछ अन्य जगहों पर भी ये केन्द्र खोले जाएंगे।

कुलपति ने बताया कि अल्पसंख्यक मंत्रालय ने आरसीए के लिए एक महिला छात्रावास खोलने का आश्वासन देने के साथ आरसीए को और मजबूत करने का आश्वासन दिया है।

इस अकादमी के मानद् निदेशक एम एफ फारूक़ी ने बताया कि आरसीए का इस साल का अब तक का सबसे अधिक सफल प्रदर्शन रहा है। 29 सफल उम्मीदवारों में से आईएएस और आईपीएस के लिए पांच–पांच और आईएफएस के लिए एक ने जगह पाई। सफलता पाने वाले छात्रों से उन्होंने कहा कि उनकी चुनौतियां तो अब शुरू हुई हैं क्योंकि नैतिकता का उच्च मानदंड बनाए रखते हुए उन्हें अब जनता की सेवा में जुटना है।

इस अवसर पर सफल छात्रों में से कई ने आरसीए के अपने अनुभवों को बांटते हुए कहा कि इसकी प्रवेश परीक्षा ही इतनी कठिन होती है कि उसे पास करने के बाद आईएएस और आईएफएस की परीक्षाओं को हल करने की हिम्मत आ जाती है।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर